कृषि मौसम सेवा

कृषि जलवायु क्षेत्र गिर्द (मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, श्योपुर, अशोकनगर), विंध्य पठार (सागर, दमोह, भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा), मालवा पठार (उज्जैन, इन्दौर, मन्दसौर, रतलाम, शाजापुर, राजगढ़, देवास, नीमच), झाबुआ पहाड़ (झाबुआ, अलीराजपुर, धार) तथा निमाड़ घाटी (खरगौन, बुरहानपुर, हरदा, बड़वानी, खण्डवा) के लिये जारी।

मौसम पूर्वानुमान की वैद्यताः 24 – 28 मार्च, 2018

- **गिर्द क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 35–37 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 18–19 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान साफ एवं हल्के बादल रहने की संभावना है।
- **विंध्य पठार क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 35–37 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 18–21 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान साफ एवं हल्के बादल छाये रहने की संभावना है।
- **मालवा पठार क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 36–38 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 15–21 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान में मध्यम हल्के बादल छाये रहने की संभावना है।
- **झाबुआ पहाड़ क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 35–37 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 19–20 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान साफ एवं छुटपुट बादल छाये रहने की संभावना है।
- **निमाड़ घाटी क्षेत्र** में अधिकतम तापमान लगभग 35–38 ^{0}C एवं न्यूनतम तापमान लगभग 20–22 ^{0}C रहने की एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। आसमान साफ एवं हल्के बादल छाये रहने की संभावना है।

किसान भाईयों के लिए कृषि परामर्शः

गिर्द

- मूंग की बानी हेतु खाली हो रहे खेतों की तैयारी कर उन्नतशील प्रजातियां : टी.एम. जे.– 3 व एस.एम.एल. 668 आदि का चयन कर बोनी करें।
- लाकी, तोरई, कददू में रैड पम्पकिन बीटल के नियंत्रण हेतु मिथायल पैराथियान 2 प्रतिशत धूल का भुरकाव करें।
- गोभी व बन्द गोभी में माहू के नियंत्रण हेतु नीम का तेल (इजेडिरैक्टिन) 1.5 से 2.0 लीटर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिडकाव करें।

विंध्य पठार

- लौकी, गिलकी, तोरई, खीरा, तरबूज, एवं खरबूज आदि में अधिक फूल लाने के लिए प्रारंम्भिक अवस्था में दो बार (2 पत्ती एवं 4 पत्ती अवस्था होने पर) इथ्रेल 200 से 250 पी. पी. एम. अथवा 1 ग्राम दवा प्रति 4 लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
- ग्रीष्मकालीन मूॅग की उन्नत जातियॉ जैसे पी. डी. एम–11, एच. यू. एस–1 जे. एम.721, टी.जे.एम.–1 एवं उडद की जातियॉ जवाहर उडद–2, पी.डी.यू–1, टी.पी.यू–4 इत्यादि के लिए खेत तैयार कर बुबाई करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों एव भिण्डी में लाल भृंग एवं बीटल्स आदि कीटों के नियंत्रण के लिए मिथाइल पैराथियान या क्विनाफॉस पाउडर 15 से 20 किलो प्रति हेक्टर का भुरकाव करें।
- खाली पडे हुए खेतों में पशुओं के लिए हरे चारे के लिए ज्वार चरी की बुवाई करें।

मालवा पठार

- गेंहूॅ की फसल मे दीमक के नियंत्रण हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई. सी./2.0 ली./एकड 20 कि. ग्रा. बालू में मिलाकर खेत में छिडक दें।
- किसान भाई सब्जियों के खेत की निराई –गुडाई करक खरपतवारों को निकाले।
- ग्रीष्म ऋतु में मूंग एव उडद की फसल की बुवाई हेतु खेत की तैयारी करे एव प्रमाणित स्त्रोत से उन्नत बीजों की व्यवस्था करें।
- पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन मे दो बार दें साथ ही हरा चारा दें तथा पशुशाला की नियमित साफ–सफाई रखें।

झाबुआ पहाड़

- ग्रीष्मकालीन कद्दूवर्गीय सब्जियों में लौकी, गिलकी, तोरई, खीरा, तरबूज, एवं खरबूज आदि में अधिक फूल लाने के लिए प्रारंम्भिक अवस्था में दो बार (2 पत्ती एवं 4 पत्ती अवस्था होने पर) इथ्रेल 200 से 250 पी. पी. एम. अथवा 1 ग्राम दवा प्रति 4 लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों एवं भिण्डी में लाल भृंग एवं बीटल्स आदि कीटों के नियंत्रण के लिए मिथाइल पैराथियान या क्विनाफॉस पाउडर 15 से 20 किलो प्रति हेक्टर के हिसाव से भुरकाव करें।
- ग्रीष्मकालीन मूॅग की उन्नत जातियॉ जैसे पी. डी. एम–11, एच. यू. एस–1 जे. एम.721, टी.जे.एम.–1 एवं उडद की जातियॉ जवाहर उडद–2, पी.डी.यू–1, टी.पी.यू–4 इत्यादि के लिए खेत तैयार कर बुवाई करें।
- खाली पड हुए खेतों में पशुओं के लिए हरे चारे के लिए ज्वार चरी की बुवाई करें।

निमाड घाटी

- गर्मी की मूंग मे बुवाई के 15–20 दिन के बीच इमाइजेथायपर 10 प्रतिशत एस.एल. शाकनाशी दवा 350 मिली/एकड की दर से भूमि मे पर्याप्त नमी होने पर दें।
- पशुओं को किलनी एवं जूं से रक्षा हेतु मेलाथियान/क्लीनर/ब्यूटाक्स का 2 मिली/लीटर पानी में घोल कर उनके शरीर के ऊपर लगाएं।

डॉ. एम.के. त्रिपाठी
सहायक प्राध्यापक (भौतिकी एवं मौसम विज्ञान)
कृषि अभियांत्रिकी विभाग
कृषि महाविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0)

डॉ. एच.एस. भदौरिया
नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
रा.वि.सिं. कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0)